Citizens Foundation
Making People Self Reliant

गोल कॉर्पस
समाचार पत्रिका

संस्करण-49 नवम्बर - 2025

इस संस्करण में

01

समुदाय सशक्तिकरण की ओर एक और कदम-हाइलाकांडी में एलआईसी-एचएफएल बोर्ड का दौरा

02

सिक्किम के ग्रामीण समुदायों के लिए बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में एक कदम

संदेश

सिटिज़न्स फाउंडेशन हाइलाकांडी, असम में लोगों के लिए बहुत अच्छा और जरूरी काम कर रहा है। यह पहल दिखाती है कि संस्था सच में सबके विकास और लोगों को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

श्री अक्षय राउत
चेयरमैन, एलआईसी एचएफएल

सचिव की कलम से

हमारे 49वें मासिक न्यूज़लेटर में हमारी जागरूकता, प्रगति और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता झलकती है। इस अंक में छपी हर कहानी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और सशक्तिकरण के क्षेत्रों में हमारी मेहनत और साझेदारी को दिखाती है। यह संस्करण केवल उपलब्धियों का संग्रह नहीं है, बल्कि इसमें हमारी टीम और समुदाय की भावना की झलक भी है। हमारा लक्ष्य एक समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाना है, ताकि जिन लोगों के साथ हम काम करते हैं, उनके जीवन में सही मायने में बदलाव आ सके। हम अपनी पूरी टीम और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी मदद से हमारे सारे प्रयास सफल होते हैं।

गणेश रेड्डी
संस्थापक एवं सीईओ, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन / सचिव, (यूएन जीसीएनआई)

समुदाय सशक्तिकरण की ओर एक और कदम-हाइलाकांडी में एलआईसी-एचएफएल बोर्ड का दौरा

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (LIC HFL) के बोर्ड सदस्यों ने हाल ही में असम के हाइलाकांडी में चल रही HRIDAY परियोजना का दौरा किया। यह परियोजना एलआईसी एचएफएल के सीएसआर कार्यक्रम के तहत सिटिज़न्स फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही है.इस दौरे का उद्देश्य परियोजना की प्रगति को देखना, लाभार्थियों से मुलाकात करना और भविष्य में सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा करना था।

हमारे लिए गर्व की बात थी कि इस अवसर पर एलआईसी एचएफएल के चेयरमैन श्री अक्षय राउत, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री टी. अधिकारी, सुश्री अनीथा कुमारी (जेडीएम – सीएसआर एवं ईएसजी), स्वतंत्र निदेशक सुश्री जे. जयांति और श्री रमेश अडिगे, कंपनी सचिव सुश्री वर्षा हरदासानी, सहायक प्रबंधक श्री संताजी रोडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

यह दौरा सरकार, निजी क्षेत्र और सामाजिक संगठनों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने वाला रहा। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि एलआईसी एचएफएल और सिटिज़न्स फाउंडेशन मिलकर आत्मनिर्भर और सशक्त समुदायों के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन में दीपावली उत्सव

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन में दीपावली का पर्व उत्साह, उमंग और एकता के साथ मनाया गया। पूरा कार्यालय दीपों की रोशनी, रंग-बिरंगी सजावट, मिठाइयों की खुशबू और हँसी-खुशी से जगमगाता रहा। यह उत्सव केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आशा, सकारात्मकता और नई शुरुआत का प्रतीक बना।

इस विशेष अवसर पर हमारे सचिव श्री गणेश रेड्डी ने भावपूर्ण संदेश साझा किया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि दीपावली का असली अर्थ केवल दीये जलाने तक सीमित न रहे—बल्कि करुणा, दया और मानवता का प्रकाश पूरे वर्ष हमारे कार्यों और जीवन में झलके।

उन्होंने यह भी ज़ोर दिया कि हमें मिलकर समाज के वंचित वर्गों के जीवन में उजाला फैलाने के प्रयास जारी रखने चाहिए, ताकि दीपावली की रोशनी हर घर और हर दिल तक पहुँचे।

पोषण वाटिका: स्वस्थ माँ, स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ समाज

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने LTIMindtree Foundation के सहयोग से असम के बारपेटा ज़िले में बच्चों में हो रहे कुपोषण को दूर करने की दिशा में एक सार्थक कदम बढ़ाया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक पौष्टिक भोजन की पहुँच बढ़ाना और समुदायों को आत्मनिर्भर बनाना है।

इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत मेधितारी और मंडिया गाँवों की 75 महिला किसानों को पोषण वाटिका के लिए सहयोग दिया गया। इन महिलाओं को 8 तरह की सब्जियों के बीज और 4 तरह के फल एवं साग के पौधे प्रदान किए गए ताकि वे अपने घर के आसपास बिना रासायनिक उपयोग वाली सब्जियाँ और फल उगा सकें।

यह पहल खास तौर पर गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं, साथ ही वरिष्ठ किसानों के लिए बनाई गई है, ताकि परिवारों को ताज़ा और पोषक आहार मिलता रहे। इससे न सिर्फ़ महिलाओं की सेहत में सुधार होगा, बल्कि बच्चों का पोषण स्तर भी बढ़ेगा।

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन का मानना है कि जब हर घर में एक पोषण वाटिका होगी, तब स्वस्थ माँ, स्वस्थ बच्चा और अंततः एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव होगा।

क्लिनिक ऑन व्हील्स:

पूर्वी खासी हिल्स, मेघालय में बच्चों के स्वास्थ्य व स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान

एसबीआई फाउंडेशन के "संजीवनी – क्लिनिक ऑन व्हील्स" कार्यक्रम के तहत सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के लेटलम स्थित सेंगफलांग सेकेंडरी स्कूल में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी जानकारी प्रदान करना और उन्हें अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सत्र में कुल 102 विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए, जिन्होंने बहुत उत्साह के साथ सहभागिता की।

टीम ने बच्चों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन किया, जिससे यह समझाया गया कि स्वच्छ हाथ ही बीमारियों से सुरक्षा का पहला कदम हैं। इसके अलावा व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित व पौष्टिक आहार, शुद्ध जल का सेवन, और बीमारी के समय आवश्यक सावधानियों जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। बच्चों को यह बताया गया कि अच्छी आदतें छोटी उम्र से ही जीवन भर स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं। शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और आत्म-देखभाल की भावना विकसित होती है।

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की टीम ने बच्चों को प्रेरित किया कि वे जो कुछ इस सत्र में सीख रहे हैं, उसे अपने परिवार व समुदाय के साथ साझा करें, ताकि सभी मिलकर एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर सकें।

सिक्किम के ग्रामीण समुदायों के लिए बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में एक कदम

सिटिज़न्स फाउंडेशन ने HDFC बैंक परिवर्तन और सिक्किम सरकार के साथ मिलकर लिंकई और लामाटेन गांवों में सामुदायिक नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए। इन शिविरों से 180 ग्रामीणों को लाभ मिला। जांच के दौरान कई लोगों में नेत्र संबंधी समस्याएं पाई गईं और 54 लाभार्थियों को नजर के चश्मे दिए गए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ऐसे प्रयास से गाँवों में बेहतर स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

मेगा हेल्थ कैंप:

200+ लोगों ने पाए निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ

ESL वेदांता और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने मिलकर मदनुयान उच्च विद्यालय परिसर में मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत उप-मुखिया श्री वमापद महतो, वार्ड सदस्य श्री आनंद महतो और CSR अधिकारी श्री एस. आर. त्रिपाठी ने की।

कैंप में डॉक्टरों की टीम ने ग्रामीणों की निःशुल्क जांच की और दवाइयाँ दीं। इसमें जनरल फिज़िशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ और नेत्र चिकित्सक शामिल थे। कुल 219 लोगों ने हेल्थ कैंप का लाभ लिया। इनमें 51 लोगों की BP जांच, 29 की शुगर जांच और 42 नेत्र जांचें की गईं। इनमें से 7 लोगों को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चुना गया।

नेत्र जांच में संजिव नेत्रालय की टीम ने सहयोग दिया। यह पहल ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और चिकित्सा सेवाएँ पहुँचाने की दिशा में सराहनीय कदम है।

बत्तख पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्तिकरण- अलगापुर, हेलाकांडी

अवलोकन: अलगापुर ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र बकरीहावर-I गाँव में आय के सीमित साधन और बत्तख पालन का कम विकसित होना मुख्य चुनौतियाँ रही हैं। इन हालात में आय बढ़ाने के नए रास्तों की तलाश करते हुए सिटिज़ंस फ़ाउंडेशन ने LIC-HFL के सहयोग से HRIDAY परियोजना के तहत स्थायी बत्तख पालन को बढ़ावा देने के लिए एक आजीविका कार्यक्रम शुरू किया।

इस कार्यक्रम में बकरीहावर-I गाँव की 10 महिलाओं के समूह- जय गुरु स्वयं सहायता समूह (SHG)- को बत्तख पालन गतिविधि के लिए चुना गया। इस परियोजना का मकसद ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और परिवार की आय में बढ़ोतरी करना था।

परिणाम: जय गुरु महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा शुरू किया गया बत्तख पालन कार्यक्रम, HRIDAY परियोजना, सिटिज़ंस फ़ाउंडेशन और LIC-HFL के सहयोग से सफलतापूर्वक लागू किया गया। इस पहल से महिलाओं की आय और आत्मनिर्भरता दोनों में सुधार हुआ। केवल 6 महीनों में प्रत्येक सदस्य ने लगभग ₹15,000 से ₹20,000 तक की कमाई की। इस प्रयास ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, बत्तख पालन से जुड़ी नई जानकारी और कौशल सिखाए और गाँव की महिलाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा दिया। साथ ही, यह मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक साबित हुआ और स्थायी आजीविका के रूप में बत्तख पालन को मज़बूती दी।

आगे की योजना:

- ✓ बाजार की मांग को देखते हुए बत्तख पालन इकाई का धीरे-धीरे विस्तार किया जाएगा।
- ✓ मूल्यवर्धन पर ध्यान देते हुए, खास बाज़ारों के लिए बत्तख अंडों जैसे उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ✓ स्थानीय बाजारों और व्यापारियों के साथ स्थायी बाज़ार संपर्क बनाए जाएंगे।
- ✓ वैज्ञानिक और टिकाऊ बत्तख पालन के लिए प्रशिक्षण और क्षमता-विकास कार्यक्रम जारी रहेंगे।

निष्कर्ष: जय गुरु स्वयं सहायता समूह की यह पहल, सिटिज़ंस फ़ाउंडेशन और LIC-HFL के सहयोग से, ग्रामीण महिला उद्यमिता का एक सफल उदाहरण बनी है। छह महीनों में लगभग ₹20,000 का लाभ दिखाकर इसने साबित किया है कि बत्तख पालन ग्रामीण महिलाओं के लिए एक लाभदायक और स्थायी आजीविका का अच्छा विकल्प हो सकता है।

GOALKEEPERS, MONTHLY NEWSLETTER
(For Internal Circulation Only)
CITIZENS FOUNDATION
Content: Knowledge Management Team
Editor: Priya Barla & Kajal Kumari

Follow us @